# RAMAKRISHNA MISSION VIDYAMANDIRA

**(Residential Autonomous College affiliated to University of Calcutta)**

**B.A./B.Sc. THIRD SEMESTER EXAMINATION, MARCH 2021**

**SECOND YEAR [BATCH 2019-22]**

Date : 20/03/2021 **SANSKRIT (GENERAL)**

Time : 11.00 am - 1.00 pm **Paper : III** Full Marks : 50

1. अधोलिखितयोः द्वयोः **एकस्य** समाधानं कार्यम्। (নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির **একটি** সমাধান কর।) [1×10]

   ক) अभिज्ञानशकुन्तलनाटके हस्तिवृत्तान्तस्य नाटकीयतात्पर्यं लिख्यताम्। (অভিজ্ঞানশকুন্তলনাটকে হস্তিবৃত্তান্তে নাটকীয় তাৎপর্য লেখ।)

   খ) ऋषेः दुर्वाससः शापस्य नाटकीयतात्पर्यं लिख्यताम्। (ঋষি দুর্বাসার শাপের নাটকীয় তাৎপর্য লেখ।)

2. अधोलिखितयोः द्वयोः **एकस्य** समाधानं कार्यम्। (নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির **একটি** সমাধান কর।) [1×10]

   ক) भारतीयसमाजे साहित्ये च रामायणस्य प्रभावः आलोच्यताम्। (ভারতীয় সমাজে ও সাহিত্যে রামায়ণের প্রভাব আলোচনা করো।)

   খ) महाकवेः कालिदासस्य नाटकानां परिचयः लिख्यताम्। (মহাকবি কালিদাসের নাটকগুলির সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।)

3. अधोलिखितेषु **द्वे** टीके लेख्ये। (যে-কোনো **দুটি** টীকা লেখ।) [2×5]

   ক) गीतगोविन्दम्। (গীতগোবিন্দ)

   খ) उत्तररामचरितम्। (উত্তররামচরিত)

   গ) मृच्छकटिकम्। (মৃচ্ছকটিক)

   ঘ) श्रीमद्भगवद्गीता। (শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা)

4. अधोलिखितयोः **द्वयोः** रूपं लेख्यम्। (যে-কোনো **দুটি** রূপ লেখ।) [2×1]

   ক) নর শব্দের তৃতীয়ার বহুবচন।

   খ) মুনি শব্দের দ্বিতীয়ার দ্বিবচন।

   গ) লতা শব্দের সপ্তমীর একবচন।

   ঘ) ফল শব্দের চতুর্থীর একবচন।

5. अधोलिखितयोः **द्वयोः** रूपं लेख्यम्। (যে-কোনো **দুটি** রূপ লেখ।) [2×1]

   ক) ভূ-ধাতুর লট্ প্রথমপুরুষ একবচন।

   খ) গম্-ধাতুর লৃট্ উত্তমপুরুষ বহুবচন।

   গ) ভূ-ধাতুর লৃট্ মধ্যমপুরুষ দ্বিবচন।

   ঘ) পচ্-ধাতুর লোট প্রথমপুরুষ একবচন।

6. अधोलिखितयोः **द्वयोः** सन्धिः कार्यः। (যে-কোনো **দুটি** সন্ধি যুক্ত করো।) [2×1]

क) गङ्गा+ऊर्मिः

ख) हित+उपदेशः

ग) नर+ईशः

घ) क्षुधा+ऋतः

ङ) देव+ऋषिः

7. **द्वयोः** सन्धिविच्छेदः कार्यः। (যে-কোনো **দুটি** সন্ধিবিচ্ছেদ করো।) [2×1]

क) यद्यपि।

ख) प्रत्येकम्।

ग) निरीश्वरः।

घ) दुश्चिन्ता।

ङ) महेशः।

8. अधोलिखितेषु **त्रयाणां** कारकं विभक्तिश्च निर्णेया। (যে-কোনো **তিনটির** কারক বিভক্তি নির্ণয় করো।) [3×1]

क) शिशुः क्रीडति। (শিশুঃ ক্রীড়তি।)

ख) बालकः चन्द्रं पश्यति। (বালকঃ চন্দ্রং পশ্যতি।)

ग) रामेण वाणेन हतो वाली। (রামেণ বাণেন হতো বালী। )

घ) राजा विप्राय गां ददाति। (রাজা বিপ্রায় গাং দদাতি)

ङ) वृक्षात् पत्रं पतति। (বৃক্ষাৎ পত্রং পততি।)

च) वने वसति। (বনে বসতি)

9. अधोलिखितेषु **त्रयाणा**मशुद्धिसंशोधनं कार्यम्। (যে-কোনো **তিনটির** অশুদ্ধি সংশোধন করো।) [3×1]

क) अद्य प्राते स प्रवासं जगाम।

ख) नास्ति मे बहवः मित्राः।

ग) तृष्णार्तो वारिं पाति।

घ) नः गृहे उत्सवः भविता।

10. अधोलिखितेषु **त्रयाणाम्** अर्थपार्थक्यं लेख्यम्। (যে-কোনো **তিনটির** অর্থপার্থক্য লেখো।) [3×2]

क) स्थला, स्थली।

ख) वर्षं व्याकरणम् अपठत्, वर्षेण व्याकरणम् अपठत्।

ग) पित्रीयति, पित्रायते।

घ) सूर्या, सूरी।

ङ) शूद्रा, शूद्री।

———— × ————